सुनो सुनो सुनावे नंदलाल गोपाल,किस बल पे उठाया मैने गोवर्धन

सुनो सुनो सुनावे नंदलाल गोपाल ,
किस बल पे उठाया मैने गोवर्धन -3

मैने ब्रज का माखन खाया है ,-2
ब्रज प्रेम ने रंग दिखाया है -2
मेरे साथ हैं-2 गोपी ग्वाल ,इस बल पे उठाया मैने गोवर्धन।

जी जान से की गऊ सेवा है -2
उसी सेवा का ही ये मेवा है -2
माँ यशोदा का-2 मैं हूं लाल ,इस बल पे उठाया मैने गोवर्धन।

ब्रज रज यमुना ब्रज बाँसुरिया -2
राधा का संग पाकर साँवरिया -2
मैं तो हो गया -2 मालामाल ,इस बल पे उठाया मेने गोवर्धन।

ब्रज की जो "मधुप" पराभक्ति है -2 ,
वही राधा मेरी पराशक्ति है -2
उसी शक्ति का -2 है यह कमाल ,इस बल पे उठाया मेने गोवर्धन।

सुनो सुनो सुनावे नंदलाल गोपाल ,
किस बल पे उठाया मेने गोवर्धन -3 ।

बोलो गिरिराज महाराज की जय।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33165/title/suno-suno-sunaave-nandlaal-kis-bal-pe-uttaya-mene-govardhan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |